

प्रेस नोट
भा.कृ.अनु.प.- भा.कृ.अनु.सं., नई दिल्ली के 62वें दीक्षांत समारोह के दौरान प्रोफेसरों की प्रस्तुति
06.02.2024

भा.कृ.अनु.प. भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली का 62वां दीक्षांत सप्ताह (4-9 फरवरी, 2024) 4 फरवरी, 2024 को अकादमिक उत्साह के साथ शुभारंभ हुआ। दिनांक 05 फरवरी, 2024 को डॉ. बी.पी. पाल सभागार में योग्यता पदक और सर्वश्रेष्ठ विज्ञार्थी पुरस्कारों के लिए चयनित पीएच.डी. छात्रों द्वारा प्रस्तुतियां दी गईं। दीक्षांत समारोह के तीसरे दिन वर्ष 2023 की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में शिक्षण विषयों के विभिन्न स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रोफेसरों द्वारा प्रस्तुतियां की गईं। सत्र का आयोजन डॉ. मोनिका ए. जोशी, प्रोफेसर, बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और सह-संयोजक डॉ. श्रुति सेठी, फल एवं औ. प्रौ. सभाग द्वारा किया गया था।

फसल सुधार स्कूल (स्कूल ऑफ क्रॉप इम्प्रूवमेंट) के पहले सत्र की अध्यक्षता डॉ. डी.के. यादव, सहायक महानिदेशक (बीज), भा.कृ.अनु.प. द्वारा की गई। इस सत्र में आनुवंशिकी सभाग, पादप आनुवंशिक संसाधन और बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रोफेसरों ने छात्रों के शोध की उपलब्धियों को और मुख्य विशेषताओं को प्रस्तुत किया। उच्च उत्पादकता के लिए प्रजनन, जैविक तनावों के प्रति प्रतिरोध, अजैविक तनावों के प्रति सहनशीलता, उन्नत पोषण गुणों, आनुवंशिक विविधता विश्लेषण, जर्मप्लाज्म संरक्षण, बीज जीव विज्ञान, बीज उत्पादन तकनीक और बीज विकृति विज्ञान पर विस्तीर्णता से किए गए अनुसंधानों के बारे में चर्चा की गई।

फसल सुरक्षा स्कूल (स्कूल ऑफ क्रॉप प्रोटेक्शन) के सत्र की अध्यक्षता डॉ. एच.बी. सिंह, प्रोफेसर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा द्वारा की गई। इस सत्र में कृषि रसायनों और संरूपण का विकास, संदूषकों के मूल्यांकन और प्रबंधन, कीट प्रणाली विज्ञान, कीट प्रबंधन, आविष विज्ञान, कीट शरीरक्रिया विज्ञान, सूत्रकृमि विविधता, जैव वर्गिकीय, पादप सूत्रकृमि अन्योन्यक्रिया, रोग निदान, रोगजनक लक्षण वर्णन, रोग प्रबंधन और परपोषी पादप प्रतिरोध जोकि मुख्य अनुसंधानों के केंद्र बिंदु हैं उन पर चर्चा की गई।

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन स्कूल (स्कूल ऑफ नेचुरल रिसोर्स मैनेजमेंट) के सत्र की अध्यक्षता कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष डॉ. गुरबचन सिंह द्वारा की गई। इस सत्र की चर्चा अनुसंधान कार्य संसाधन संरक्षण प्रौद्योगिकी, सटीक कृषि उपकरण, ईगोनोंमिक्स और कृषि में सुरक्षा, एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन, सटीक सिंचाई, कृषि उपज की गुणवत्ता भंडारण, कृषि में रिमोट सेंसिंग, नैनो टेक्नोलॉजी, मृदा भौतिकी, जैव भौतिकी, कृषि में भू-सूचना विज्ञान, पोषक तत्व प्रबंधन, फसल विविधीकरण, सिंचाई प्रबंधन, संरक्षण कृषि, जलवायु परिवर्तन और कृषि, पर्यावरण प्रदूषण, अपशिष्ट प्रबंधन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं, कृषि में अजैविक तनाव का माइक्रोबियल प्रबंधन, फसल विकास को बढ़ावा देने के लिए पादप-सूक्ष्मजीव संपर्क, नवीन उर्वरक का संश्लेषण और मूल्यांकन, सामाजिक पृथक्करण, जल संचयन, संरक्षण और प्रदर्शन आकलन को बढ़ाने के लिए मृदा प्रबंधन रणनीतियां आदि किए गए अनुसंधान के विषयों पर केंद्रित थीं।

आधारभूत विज्ञान स्कूल (स्कूल ऑफ बेसिक साइंसेज) के सत्र की अध्यक्षता दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैम्पस), नई दिल्ली के पादप आण्विक जीव विज्ञान विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. अनिल प्रोवर द्वारा की गई। इस सत्र की चर्चा अनाज, श्रीअन्न, दलहन में अजैविक तनाव सहिष्णुता, पोषण गुणवत्ता वृद्धि और मूल्यांकन तथा फसल पादपों की उत्पादकता और उत्पादन में सुधार के लिए शारीरिक दक्षता पर किए गए अनुसंधान कार्य पर केंद्रित थीं। सभी सत्रों के अध्यक्षों ने स्नातकोत्तर अनुसंधान की गुणवत्ता की सराहना की और प्रोफेसरों को कृषि विज्ञान की उन्नति के लिए गुणवत्तापूर्ण जानकारी उत्पन्न करने के लिए गहन विश्लेषणात्मक अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सौजन्य
भा.कृ.अनु.सं. मीडिया प्रकोष्ठ, नई दिल्ली